Shri Jankinatha Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi English

Shri Jankinatha Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय जानकीनाथा,
जय जय श्री रघुनाथा ।
दोउ कर जोरें बिनवौं,
प्रभु ! सुनिये बाता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

तुम रघुनाथ हमारे,
प्राण पिता माता ।
तुम ही सज्जन-संगी,
भक्ति मुक्ति दाता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

लख चौरासी काटो,
मेटो यम त्रासा ।
निशदिन प्रभु मोहि रखिये,
अपने ही पासा ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

राम भरत लछिमन,
सँग शत्रुहन भैया ।
जगमग ज्योति विराजै,
शोभा अति लहिया ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

हनुमत नाद बजावत,
नेवर झमकाता ।
स्वर्णथाल कर आरती,
करत कौशल्या माता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

सुभग मुकुट सिर, धनु सर,
कर शोभा भारी ।
मनीराम दर्शन करि,
पल-पल बलिहारी ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

जय जानकिनाथा,
हो प्रभु जय श्री रघुनाथा ।
हो प्रभु जय सीता माता,
हो प्रभु जय लक्ष्मण भ्राता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

हो प्रभु जय चारौं भ्राता,
हो प्रभु जय हनुमत दासा ।
दोउ कर जोड़े विनवौं,
प्रभु मेरी सुनो बाता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

Shri Jankinatha Ji Ki Aarti Lyrics in English

Om Jai Janaki Nath,
Jai Jai Shri Raghunath.
Dou kar jore binvaun,
Prabhu! Suniye baat.
Om Jai Janaki Nath.

Tum Raghunath hamare,
Praan pita mata.
Tum hi sajjan-sangi,
Bhakti mukti data.
Om Jai Janaki Nath.

Lakh chaurasi kaato,
Meto Yam trasa.
Nishdin Prabhu mohi rakhiye,
Apne hi pasa.
Om Jai Janaki Nath.

Ram Bharat Laxman,
Sang Shatrun bhaiya.
Jagmag jyoti viraje,
Shobha ati lahiya.
Om Jai Janaki Nath.

Hanumat naad bajawat,
Never jhankata.
Swarnathal kar aarti,
Karat Kaushalya mata.
Om Jai Janaki Nath.

Subhag mukut sir, dhanusar,
Kar shobha bhaari.
Maniram darshan kari,
Pal-pal balihari.
Om Jai Janaki Nath.

Jai Janaki Nath,
Ho Prabhu Jai Shri Raghunath.
Ho Prabhu Jai Sita Mata,
Ho Prabhu Jai Laxman Bhai.
Om Jai Janaki Nath.

Ho Prabhu Jai Charon Bhai,
Ho Prabhu Jai Hanumat Dasa.
Dou kar jode binvaun,
Prabhu meri suno baat.
Om Jai Janaki Nath.

About Shri Jankinatha Ji Ki Aarti in English

Shri Jankinatha Ji Ki Aarti is a devotional hymn dedicated to Lord Ram, specifically to his consort, Goddess Sita, also known as Janaki. This aarti praises Lord Ram as the divine protector of his devotees and highlights the significance of his role in the Ramayana, where he embodies righteousness, virtue, and justice.

The aarti begins with invoking Lord Ram and Goddess Sita, seeking their blessings for protection and guidance. The verses of this aarti describe the divine attributes of Lord Ram, such as his ability to eliminate suffering, bring peace, and protect his devotees from all dangers. It also emphasizes the role of Lord Ram as the son of King Dasharatha, the brother of Lakshman, and the protector of the world.

The aarti also invokes Lord Hanuman, Lord Ram's devoted servant, who played a crucial role in the battle against Ravana. It expresses gratitude and devotion to the divine family of Lord Ram, Sita, Lakshman, and Hanuman, with a prayer for blessings in every aspect of life. Devotees believe that by chanting this aarti with devotion, they can seek spiritual and material fulfillment and be blessed with peace, prosperity, and protection from all adversities.

About Shri Jankinatha Ji Ki Aarti in Hindi

श्री जानकीनाथ जी की आरती भगवान श्रीराम और उनकी पत्नी माता सीता (जानकी) की महिमा का गायन करने वाली एक अत्यंत श्रद्धेय भक्ति गाथा है। यह आरती भगवान श्रीराम को उनके गुणों और उनके जीवन के उद्देश्यों के लिए समर्पित है, जिसमें उन्होंने धर्म, सत्य, और न्याय की स्थापना की।

आरती की शुरुआत भगवान श्रीराम और माता सीता के आशीर्वाद की कामना से होती है, जिसमें उन्हें सभी दुखों से मुक्त करने और जीवन में सुख-शांति प्रदान करने की प्रार्थना की जाती है। भगवान राम को रघुकुल नायक, धर्म के रक्षक और भक्तों के अभयदाता के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है। वहीं माता सीता को भक्तों की सच्ची माता और उनके उद्धारकर्ता के रूप में पूजा जाता है।

आरती में भगवान राम के परिवार का वर्णन भी किया गया है, जिसमें उनके भाई लक्ष्मण और भगवान हनुमान का भी उल्लेख होता है। हनुमान जी को उनकी भक्ति और साहस के लिए विशेष सम्मान दिया जाता है। यह आरती श्रद्धालुओं को भगवान राम के जीवन की शिक्षाओं पर चलने और उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है, जिससे जीवन में शांति और संतोष की प्राप्ति हो सके।